Total No. of Questions – 4] [Total Pages : 3

(2022)

9359

M.A. Examination

SANSKRIT

(न्याय-वैशेषिक)

Paper–III

(Semester-I)

Time : Three Hours] [Max. Marks : Regular : 80, Private : 100

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

नोट : सर्वेऽपि प्रश्नाः समाधेयाः।

1. तर्कभाषा के आधार पर प्रमाण के लक्षण का विवेचन करें।

अथवा

अनुमान प्रमाण में व्याप्ति के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

16(20)

2. किन्हीं **तीन** की सप्रसंगव्याख्या कीजिए :

(क) यर्योर्मध्ये एकमविनश्यदंपराश्रितमेवावतिष्ठते तावयुतसिद्धौ।

(ख) साक्षात्कारिणी च प्रमा सैवोच्यते या इन्द्रियजा।
सा च द्विधा सविकल्पक-निर्विकल्पकमेदात्।

(ग) यदा चक्षुषा भूतले संयुक्ते घटाभावो गृह्यते 'इह भूतले घटो नास्ति' इति तदा विशेषणविशेष्यभाव सम्बन्धः।

(घ) कश्चिद्धेतुः केवलव्यतिरेकी, तद्यथा, सात्मकत्वे साध्ये प्राणादिमत्त्वं हेतुः।

(ङ) संदिग्धसाध्यधर्मा धर्मी पक्षः। यथा धूमानुमाने पर्वतः पक्षः।

(च) सपक्षाद् विपक्षाद् व्यावृत्तो यः पक्षे एव वृत्तते, सोऽसाधारणानैकान्तिकः। 3×8=24 (3×10=30)

3. तर्कभाषा के अनुसार आत्मा का स्वरूप विवेचन करें।

अथवा

उपमान प्रमाण का वर्णन करें। 16(20)

4. किन्हीं **तीन** की सप्रसंगव्याख्या करें :

(क) वाक्यं त्वाकाङ्क्षायोग्यतासंनिधिमतां पदानां समूहः।

(ख) जलादिज्ञाने जाते तस्य प्रामाण्यमवधार्य कश्चिज्जलादौ प्रवर्त्तते। कश्चितु सन्देहादेव प्रवृत्तः प्रवृत्त्युत्तरकाले-जलादिप्रतिलम्भे सति प्रामाण्यमवधारयतीति वस्तुगतिः।

(ग) शरीरसंयुक्तं ज्ञानकरणमतीन्द्रियम् इन्द्रियम्।

(घ) शब्दलिङ्गकत्वमस्य कथम्। परिशेषात्। प्रसक्त-प्रतिषेधेऽन्यत्राप्रसङ्गत् परिशिष्यमाणे सम्प्रत्ययः परिशेषः।

(ङ) वादिप्रतिवादिनोः संप्रतिपत्तिविषयोऽर्थः दृष्टान्तः।

(च) बुद्धिः उपलब्धिर्ज्ञानं प्रत्यय इत्यादिभि पर्यायशब्दैर्याऽभिधीयते सा बुद्धिः। 3×8=24 (3×10=30)